एनएचएआइ और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से मंजूर सड़क परियोजनाओं की हुई समीक्षा

पटना-आरा-सासाराम सड़क का निर्माण मई से

मोकामा-मुंगेर ग्रीनफील्ड फोरलेन का काम आवंटित

संवाददाता, पटना

राज्य में पटना-आरा-सासाराम एनएच का निर्माण 15 मई से शुरू होगा. इसके तहत पहले चरण में सुअरा से गड़हनी तक काम होगा. वहीं अक्तूबर तक परियोजना के दूसरे चरण में गड़हनी से सदीसोपुर का काम शुरू होगा. इसके साथ ही मोकामा-मुंगेर ग्रीनफील्ड फोरलेन सड़क निर्माण और पटना रिंग रोड (कन्हौली-शेरपुर) का भी कार्य आवंटन हो गया है. यह जानकारी

बैठक करते सचिव पंकज पाल.

बुधवार को एनएच और केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय की सड़क परियोजनाओं समीक्षा बैठक में दी गयी. इसकी अध्यक्षता पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज पाल ने की. उन्होंने मोकामा-मुंगेर ग्रीनफील्ड और पटना रिंग रोड का भू-अर्जन पूरा कर काम शुरू करने का संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है. सचिव पंकज कुमार पाल ने बैठक में राज्य में करीब 8134 करोड़ रुपये लागत की करीब 218 किमी लंबाई की एनएच की छह परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की. इन परियाजनाओं का भू-अर्जन और वैधानिक स्वीकृतियों के कारण काम शुरू नहीं हो सका है. साथ ही 360 किमी लंबाई की 11 हजार 222 करोड़ की लागत से 12 परियोजनाओं की भी समीक्षा की गयी, जिनकी स्वीकृति के बाद कार्य आवंटित नहीं हो पाया है. इसके साथ ही सचिव ने विलंब से चल रही एनएच की तीन परियोजनाओं सहित एनएच की अन्य समस्याओं की भी समीक्षा की.

नदियों के गाद से तैयार होगी सड़क

पटना. पथ निर्माण विभाग के सचिव ने नदियों और नहरों से निकाले गये गाद (डी-सिल्टेड) सामग्री का उपयोग सड़क निर्माण में किया जायेगा. इसके प्रभावी उपयोग के लिए संबंधित मुख्य अभियंता को जिला स्तर पर समन्वय बनाकर समिति के साथ आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया. साथ ही, जल संसाधन विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा. सचिव ने पथ निर्माण विभाग और एनएच के सभी कार्यपालक अभियंताओं, बीएसआरडीसीएल के सीजीएम, बीआरपीएनएनएल के एमडीऔर परियोजना निदेशक को निर्देश दिया है. इसमें कहा गया है कि सामान्य मिट्टी के खनन और उपयोग के संबंध में जारी मानक संचालन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करें.

काम में आयेगी तेजी : इस पहल से विभाग की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में निर्माण कार्य को तेजी मिलने की संभावना है.पटना में करीब छह किमी लंबाई तक समग्र उद्यान, दीघा से सभ्यता द्वार और भद्र घाट से दीदारगंज (किमी तक के कार्यों में डी-सिल्टेड सामग्री का उपयोग किया जायेगा.